जेड ड्रैगन

प्राचीन चीनी कथा

जेड ड्रैगन

प्राचीन चीनी कथा

भूमिका

महान विचारक कन्फुय्श्स ने एक बार कहा था, “हर व्यक्ति धन और प्रसिद्धि अर्जित करना चाहता है. लेकिन अगर धन और प्रसिद्धि ईमानदारी से अर्जित नहीं किये जाते तो उन्हें अपने पास नहीं रखना चाहिए.”

जब में छोटा था तब मैंने एक बार एक वस्तु ले ली जो मेरी नहीं थी. मैंने अपने आप से कहा कि वह मेरी ही थी क्योंकि वह मुझे मिली थी. लेकिन मन ही मन मैं जानता था कि वह मेरी नहीं थी. मैं अपने लिए ऐसा कुछ चाहता था जो मेरे जुड़वां भाई, चैंग, के पास न था. कुछ बातों में चैंग और मैं बिलकुल एक जैसे थे लेकिन कुछ अन्य बातों में हम एक-दूसरे से बहुत भिन्न थे. मैं सुस्त था और चैंग फुर्तीला. मैं निर्बल था और चैंग शक्तिशाली. खेलों में चैंग के अधिक मित्र थे. चैंग के सदा अधिक मित्र हुआ करते था- लेकिन हमारे दसवें जन्मदिन तक. वह एक ऐसा दिन था जिसे मैं कभी भूल नहीं सकता.

अध्याय - 1

उस दिन दुपहर में *व्ही ही* नदी की लहरें सूरज के प्रकाश में चमक रही थीं. नदी शांत थी. बहुत कम नावें वहाँ से गुज़र रही थीं.

मेरा जुड़वां भाई चैंग हमारी नाव के एक ओर से पानी में झुका. अपना मछली पकड़ने वाला जाल उसने पानी में फैला दिया. फिर जब उसने जाल बाहर निकला तो उसके अंदर एक बड़ी मछली उछल रही थी.

“मैंने एक और मछली पकड ली!” चैंग ने मछली नाव में फैंकते हुए ख़ुशी से कहा.

हर वर्ष जन्मदिन पर हम दोनों भाई आपस में मुकाबला करते थे. दोनों में से जो कोई अधिक मछलियाँ पकड़ता उसे एक सप्ताह तक दिनचर्या का अपना कोई काम नहीं करना होता था. हर वर्ष चैंग अधिक मछलियाँ पकड़ता था. हर वर्ष एक सप्ताह की लिए मुझे ही दिनचर्या का सारा काम करना पड़ता था.

मैंने गुस्से से अपने खाली जाल को देखा और शिकायत करते हुए बोला, “तुम मछलियों को यह कह कर फुसलाते होगे कि तुम उन्हें खाओगे नहीं.”

चैंग ज़ोर से हँसा. “तुम्हें ईर्षा हो रही है,” उसने कहा. “तुम अनाड़ी हो. अगर तुम्हारे जाल में कोई मछली आ भी जाए तो तुम उसे निकाल न पाओगे और नदी में गिरा दोगे.”

मैं नाव की एक तरफ झुका और ठंडे पानी में मैंने अपना हाथ डुबो दिया.

“यह सच नहीं है,” मैंने उत्तर दिया.

“शश,” चैंग ने कहा. “क्या वह संगीत तुम्हें सुनाई दे रहा है?”

हम दोनों साँस रोक कर सुनने लगे. नदी के एक और से संगीत की आवाज़ आ रही थी जो हर पल ऊंची हो रही थी. फिर नदी के मोड़ से घूम कर आती एक बड़ी नाव दिखाई दी. ऐसी नाव मैंने आजतक न देखी थी. नाव पर एक विशाल चमकदार रेशमी छाता लगा था. नाव के दोनों सिरों पर जेड के बने ड्रैगन दो सिपाहियों सामान खड़े थे. कतारों में बैठीं लड़कियाँ चप्पुओं से नाव चला रही थीं. नाव में सबसे आगे इतनी सुंदर लड़की खड़ी थी कि उसे देख कर मेरी आँखें भर आईं. उसने पीले और नीले रंग का एक रेशमी वस्त्र पहन रखा था. वह पंखे से अपने को हवा कर रही थी.

“वह कौन है?” मैंने पूछा.

“ज़्याओ, क्या तुम्हें नहीं पता?” चैंग ने कहा. “यह राजकुमारी मयि-लेन.”

मुझे विश्वास न हुआ कि राजकुमारी हमारे इतने समीप थी. जन्मदिन का इससे बढ़िया उपहार मुझे कभी न मिला था.

हम अपनी नाव किनारे की ओर ले गये ताकि राजकुमारी की नाव बिना अवरोध के आगे जा सके. मयि-लेन ने अपना पँखा हमारी ओर थोड़ा सा झुकाया और मुस्कराई. चैंग और मैं स्थिर खड़े रहे और फिर झुक कर हमने उसका अभिवादन किया. मैं राजकुमारी को एकटक देख रहा था.

अचानक मेरा संतुलन बिगड़ गया और में नदी में जा गिरा. मेरे गिरने से पानी इतनी जोर से उछला कि राजकुमारी की नाव हिलने लगी. साँस के लिए हांफते हुए मैंने नदी के तल पर अपने पाँव जमाए और सीधा खड़ा हो गया. मैंने राजकुमारी को देखा.

जैसे ही पानी उछल कर नाव पर गिरा, मयि-लेन ने सँभलने के लिए नाव का पकड़ लिया. उछलते पानी ने राजकुमारी के वस्त्रों को भिगो दिया था.

लज्जा से मैंने अपनी आँखें नीचे झुका लीं. जब आखिरकार मयि-लेन की नाव आँख से ओझल हो गई तो मैंने दृष्टि ऊपर की और चैंग की घूरती हुई आँखों को देखा.

"मुझे विश्वास नहीं होता कि तुम मेरे भाई हो," उसने कहा.

"चलो घर चलें," मैंने कहा.

अध्याय - 2

जब हम नाव पर वापस आये तो मैंने नदी मैं फैला अपना जाल बाहर निकला. मैंने देखा कि जाल के अंदर कोई चीज़ थी. पर वह मछली नहीं थी, जैसी मैंने आशा की थी. वह एक जेड ड्रैगन था. हीरों से सजी उसकी आँखें सूर्य के प्रकाश में चमक रही थीं.

मैंने ड्रैगन को अपनी आस्तीन में छिपा लिया और चैंग की ओर देखा. नाव के दूसरी तरफ झुका वह अपना जाल पानी में खींच रहा था. उसे पता न चला कि मुझे क्या मिला था.

ड्रैगन को अच्छे से देखने के लिए मैंने उसे आस्तीन से दुबारा बाहर निकाला. हरे रंग का जेड धूप में चमक रहा था. जब मैं उसे एकटक देख रहा था तब ड्रैगन ने आँख मारी और मुस्कराया. मैंने अपनी आँख झपकाई, एक बार, फिर दूसरी बार. ड्रैगन अभी भी मुस्करा रहा था.

“तुम्हें क्या मिला, ज़्याओ?” चैंग ने पूछा. मेरे कंधे पर उचक कर वह देखने की कोशिश करने लगा.

मैंने ड्रैगन को झटपट अपनी आस्तीन में छिपा लिया.

“कुछ भी नहीं,” मैंने कहा. “मुझे लगा कि मछली थी पर वह तो पत्थर था.”

यह सारा झूठ न है, मैंने अपने आप से कहा.

“चलो चलें,” चैंग ने कहा. “तुम्हें दिनचर्या के कुछ काम भी करने हैं.” वह मुस्कराया.

“एक बार और प्रयास करते हैं, फिर तुम जीत सकते हो,” मैंने कहा.

मैंने अपना जाल पानी में फेंका. चिंग ने भी अपना जाल फेंका. कुछ पलों में ही मेरे जाल को जोर का झटका लगा. मैंने उसे बाहर निकला. उसके अंदर मछली छटपटा रही थी. लेकिन उसमें सिर्फ एक मछली न थी. दो मछलियाँ भी न थीं.
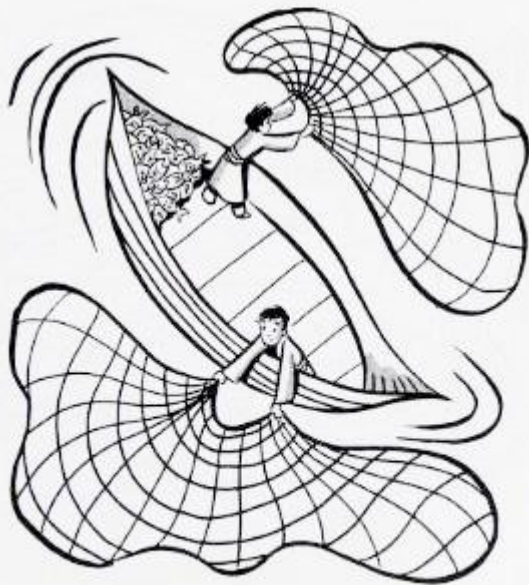
तीन मछलियाँ मेरे जाल में फंस गईं थीं.

“अब हम बराबरी पर हैं,” मैंने घोषणा की.

आश्चर्य से चैंग का मुँह खुला का खुला रह गया.

“राजकुमारी की नाव ने मछलियों को अशांत कर दिया होगा,” उसने कहा. उसने अपना जाल बाहर निकला पर वह खाली था.

“अब कौन दिनचर्या का काम करेगा?” मैंने मज़ाक किया.

”इतना घमंड न करो, ज़्याओ,” उसने गुस्से से कहा. “अभी हम बराबरी पर हैं. चलो एक बार और प्रयास करते हैं.”

हम ने बार-बार जाल फेंका. हर बार मेरे जाल में अधिक से अधिक मछलियाँ फंसीं. चैंग के जाल में एक भी मछली न फंसी.

घर लौटते समय चैंग सारे रास्ते भुनभुनाता रहा. और दिनचर्या के काम करते-करते भी वह भुनभुनाता रहा. इस बीच मैं मुस्कराता रहा. पहली बार मैंने चैंग को किसी बात में मात दी थी. अपनी आस्तीन में रखे ड्रैगन को मैंने छुआ. वह आग के सामान गर्म था.

अध्याय - 3

अगली सुबह चैंग नींद में भी त्योरी चढ़ा रहा था. जब मैंने उसे उठाया तो वह और भी नाराज़ हो गया.

“कल होने वाली खेल प्रतियोगिता की प्रतीक्षा करो,” वह बोला. “मैं तुम्हें बुरी तरह हराऊँगा.”

मैंने आह भरी. वह सत्य कह रहा था. हर वर्ष ज़ियांयेंग के लड़के खेल प्रतियोगिता में भाग लेते थे. तीन खेलों में प्रतियोगिता होती थी, तीरंदाजी, नौका-दौड़ और पहलवानी में. चैंग हमेशा विजयी होता था. और मैं हमेशा हारता था.

सुबह का नाश्ता करने के बाद चैंग और मैं अपने मित्रों से मिलने नदी किनारे आये. मैंने अपने जेड ड्रैगन को संभाल कर अपनी आस्तीन में रख लिया. आज हम पहलवानी का अभ्यास करने वाले थे. तीनों खेलों में यह सबसे कठिन खेल है.

मुकाबले के समय पहलवान अपने सिरों पर एक ऐसा हैलमेट पहनते हैं जिस पर बैल की सींग लगे होते हैं. बैलों की तरह सींगों को फंसा कर पहलवान लड़ते हैं .

एक-दूसरे को घूमा कर और मरोड़ कर वह ज़मीन पर पटकने की कोशिश करते हैं. सींग ऊपर की ओर गोल होते थे और उनके सिरों को मोड़ दिया जाता था ताकि हम एक-दूसरे को घायल न कर सकें.

मैं थोड़ा घबराया हुआ था, मैंने पहलवानी में अभी महारत न पाई थी. हमारे दल के मुखिया सिउ-लिउ ने हाथ हिला कर हमारा अभिवादन किया. उसके पास भी सींगों वाला एक हैलमेट था. हैलमेट पर सोने के सिक्के लगे थे.

"यह हैलमेट सबसे भिन्न है," सिउ-लिउ ने कहा. "यह मेरे पिता का था."

हम सब जानते थे कि सिउ-लिउ के पिता एक महान योद्धा थे. चैंग ने आगे आकर हैलमेट ले लिए और उसे अपने सिर पर पहनने लगा. हैलमेट नीचे गिर गया.

सिउ-लिउ हँसने लगा. "यह हम सब के लिया बड़ा है," उसने कहा.

हैलमेट उठाने के लिए मैं नीचे झुका. उसे उठा कर मैं सिउ-लिउ को देने वाला था, लेकिन किसी शक्ति ने उसे अपने सिर पर पहनने के लिए प्रेरित किया. वह बिलकुल मेरे नाप का था.

सिउ-लिउ मुस्कराया और बोला, "ज़्याओ, तुम इसे पहन सकते है."

"मेरे लिए सम्मान की बात है," मैंने उत्तर दिया.

चैंग बिना कुछ बोले पाँव पटकता हुआ चला गया.

सिउ-लिउ और मैं एक-दूसरे के इर्दगिर्द घूमने लगे. मैंने गहरी साँस ली और अपनी ऊर्जा को संयमित किया. मुकाबला शुरू हो गया.

लकड़ियों के टुकड़े चुन कर हमने तय किया कि कौन किसके साथ पहलवानी का मुकाबला करेगा. मुझे सिउ-लिउ के साथ मुकाबला करना था. हमारे दल के सबसे तगड़े लड़कों में से वह एक था. सिर्फ चैंग ही उसे हरा सकता था. जब हमारी बारी आई तो रीति अनुसार सब चुप हो गये.

सिउ-लिउ ने मेरी कमर पकड़ ली और खींच कर मुझे ज़मीन पर पटकनें की कोशिश की. मैंने अपने पाँव स्थिर रखे और अपने को गिरने न दिया. मैं उसे अपने को नीचे गिराने न दूंगा चाहे मुझे कितनी भी शक्ति क्यों न लगानी पड़े. मैंने आस्तीन में रखे जेड ड्रैगन को महसूस किया. वह गर्म था, जैसे की सौभाग्य उससे बाहर आ रहा हो.

मैंने अपना दायाँ बाज़ू उठाया और सिउ-लिउ की कोहनी पर उसे लपेट दिया. उसकी कोहनी बुरी तरह मुड़ गई और उसने मेरे कंधों पर अपनी पकड़ ढीली कर दी. वह एक और खिसका.

सिउ-लिउ मुझ से अधिक लंबा था. लेकिन यह बात मेरे लिए लाभदायक थी. मैं जानता था कि वह अपने सींग को मेरे सींगों में फंसाने की कोशिश करेगा. उसने अपना सिर नीचे किया और मुझ पर हमला किया. मैं झुक गया. मैंने उसकी कमर पकड़ ली और घूम गया. वह ज़मीन पर गिर गया.

एक, दो, तीन, वह न उठा.

मैं जीत गया था. सब आश्चर्यचकित थे.

“तुम एक अच्छे योद्धा हो, ज़्याओ” जब हम एक-दूसरे के सामने झुके तो सिउ-लिउ ने धीमे से कहा. “कल की प्रतियोगिता में तुम्हें शायद अपने भाई का सामना करना पड़े.”

मैं हँस दिया. कोई बात मुझे इससे अधिक ख़ुशी न दे सकती थी. और कोई बात मुझे इससे अधिक भयभीत न कर सकती थी. मैंने अपने आस्तीन को छुआ. जेड ड्रैगन की सहायता से मैं चैंग को हरा सकता था. मैं प्रतियोगिता जीत सकता था.

अध्याय - 4

प्रतियोगिता के दिन सुबह सवेरे में चल कर नदी के निकट आया. मैं इतना घबराया हुआ था कि सांस भी न ले पा रहा था. अतीत में प्रतियोगिता के लिए मैं कभी भी भयभीत न हुआ था. लेकिन ऐसा इसलिए था कि तब मेरे जीतने की कभी कोई संभावना न होती थी. आज राजकुमारी के ड्रैगन के प्रभाव से मैं जीत सकता था.

जैसे ही मैं नदी के तट के पास पहुँचा, मैं अचानक रुक गया. मेरी साँस अटक गई. मैं अकेला न था. नदी के तट पर राजकुमारी खड़ी थी. मैंने झुक कर उसका अभिवादन किया.

जब उसने मुझे देखा तो वह मुस्कराई. "ओह, सीधे खड़े हो जाओ," उसने कहा. "मैं भी तुम्हारी तरह एक शिशु हूँ."

मैं सीधा हो गया और नदी के पानी से एक कदम पीछे हो गया. मैं दुबारा पानी में नहीं गिरना चाहता था.

राजकुमारी ने मुझे घूर कर देखा. त्योरी चढ़ाते हुए उसने कहा, "मैंने तुम्हें पहले कहीं देखा है."

मैंने सिर हिला कर हामी भरी. मैं कुछ बोल न पाया.

तट की रेत से टकराती हुई नदी की लहरों को उसने देखा. जब उसने अपनी आँखें ऊपर कीं तो मुझे उनमें आंसू चमकते हुए दिखाई दिए.

“क्या तुम मेरी सहायता करोगे?” उसने पूछा.

“निश्चय ही,” मैंने धीमे से कहा.

“मेरे एक विशेष वस्तु खो गई है,” उसने कहा, “ऐसी जिसका मेरे लिए बहुत महत्व है.”

मेरा पेट जकड़ने लगा. अचानक मुझे ठंड लगने लगी.

“मेरी दादी-माँ ने मुझे एक जोड़ी जेड ड्रैगन दिए थे,” राजकुमारी ने बताया. “वह अब नहीं है और वह ड्रैगन मेरे लिए बहुत बहुमूल्य हैं. संयोगवश मैंने एक ड्रैगन नदी में गिरा दिया.”

मेरा दिल बैठ गया. मुझे क्या करना चाहिए? मैंने सोचा. मैं उसे वह ड्रैगन देना नहीं चाहता था. अगर मैंने दे दिया तो मैं प्रतियोगिता हार जाऊँगा. शायद प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद मैं कल उसे ड्रैगन दे सकता था. या फिर मैं उसे सदा अपने पास रख सकता था.

अचानक हवा चलने लगी और पेड़ों पर लगे पत्ते कांपने लगे. मैंने आस्तीन के अंदर अपना हाथ डाला. ड्रैगन वहीं था. लेकिन अब वह गर्म न था. वह बिलकुल ठंडा था. इससे पहले कि मैं अपने को रोक पाता, मैंने ड्रैगन निकाल कर राजकुमारी की हथेली पर रख दिया.

प्रसन्नता से राजकुमारी की आँखें नाचने लगीं. उसने ड्रैगन को अपने हृदय से लगाया और ख़ुशी से हँसने लगी. लेकिन जब उसने मेरा उतरा हुआ चेहरा देखा तो वह चुप हो गई.

“क्या बात है?” उसने पूछा.

“ड्रैगन,” मैंने कहा, “मेरे लिए भाग्यशाली था.”

राजकुमारी फिर से हँसने लगी. “व्यर्थ की बात है,” मेरे छाती पर अपना हाथ रखते हुए उसने कहा. “सौभाग्य यहाँ है. तुम्हारे भीतर.”

मैंने अपना सिर हिलाया लेकिन वह पहले ही किनारे से दूर पेड़ों की ओर जा रही थी.

अध्याय - 5

प्रतियोगिता के लिए सब लड़के नदी किनारे इकट्ठे हो गये. मैं उनकी ओर गया, मैं उदास था. मेरे गले का भारीपन खत्म हो गया था. मेरी साँस स्थिर थी. अब मेरे पास घबराने के लिए कोई कारण न था. मैं हार जाऊँगा, जैसे मैं पिछले सब वर्षों में हारा था.
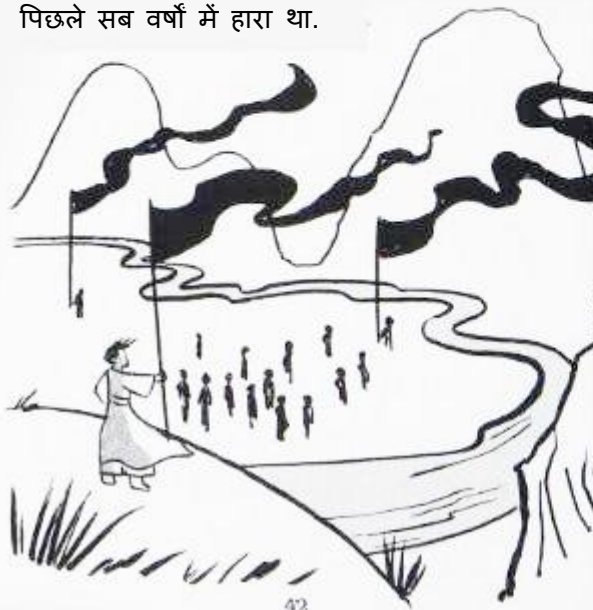
मुझे देखते ही सिउ-लिउ मेरे पास दौड़ा आया. “क्या तुम तैयार हो?” उसने पूछा. “इस वर्ष तुम प्रतियोगिता जीत जाओगे! इस वर्ष तुम अपने भाई को हरा दोगे!”

पहली प्रतियोगिता तीरंदाज़ी की थी. अपने-अपने धनुष बाण ले कर हम एक कतार में खड़े हो गये. निशाना लकड़ी के एक छोटे से खरगोश को लगाना था जो एक पेड़ के ऊपर रखा हुआ था.

चैंग जो पिछले वर्ष का विजेता था उसने सबसे पहले प्रयास किया. उसके तीर ने जब खरगोश को अपनी जगह से गिरा दिया तो किसी को आश्चर्य न हुआ. किसी और का तीर खरगोश के पास से भी न निकला.

“आज मैं किसी को नहीं हरा पाऊंगा,” मैंने आह भरी. लेकिन सिउ-लिउ ने मेरी पीठ थपथपाई और ऊंची आवाज़ में कहा, “आज भाग्य तुम्हारे साथ है, ज़्याओ.”

मैंने आस्तीन में वहाँ हाथ रखा जहाँ जेड ड्रैगन हुआ करता था. भाग्य मेरे साथ नहीं है, मैंने सोचा.

जब मेरी बारी आई तो मैंने अपनी साँसे शांत करने के लिए अपनी आँखें बंद कर लीं.

फिर मैंने अपने कानों में एक आवाज़ सुनी, “सौभाग्य तुम्हारे भीतर है.”

राजकुमारी! मैंने आँखें खोलीं और इधर-उधर देखा. मेरी निशाने की प्रतीक्षा में खड़े लड़कों के अतिरिक्त मुझे कोई दिखाई न दिया.

मैंने तीर मारा. लेकिन जैसी मेरी आशा थी, तीर खरगोश के पास से निकल कर नहीं गया. वह खरगोश की ओर घूमा और उसे डाली से नीचे गिरा दिया.

सिउ-लिउ ने खरगोश को ऊपर उठाया. तीर अभी भी उसकी छाती में फंसा काँप रहा था. मैंने पहली प्रतियोगिता जीत ली थी.

अधिकांश लड़के हैरान थे. सिउ-लिउ मुस्कराया.

लेकिन चैंग गुस्से से मुझे घूर रहा था. “अगली प्रतियोगिता की प्रतीक्षा करो,” वह बुदबुदाया.

अगली प्रतियोगिता थी नौका-दौड़. मैंने संदेह से अपनी नाव को देखा. आखिरी बार जब मैं नाव में चढ़ा था तब मैं नदी में गिर गया था.

हम नावों पर सवार हो गये और दौड़ शुरू करने के लिए सिउ-लिउ के संकेत प्रतीक्षा करने लगे.

“जाओ,” वह चिल्लाया.

चप्पू पानी उछालने लगे. जैसे ही मैं नाव चलाने लगा मैंने वह आवाज़ फिर सुनी, “सौभाग्य तुम्हारे भीतर है.”

अपने आसपास चल रही नावों की ओर मैंने कोई ध्यान न दिया. लेकिन दौड़ में सबसे आगे कौन था यह तो मुझे देखना ही था. निस्संदेह चैंग ही था. जैसे ही मैं उसके निकट पहुँचा उसने घूम कर मुझे देखा.

“ज़्याओ!” वह चिल्लाया. “तुम मुझे कभी नहीं हरा सकते! तुम कभी नहीं जीत सकते!”

मेरी नाव घूमी और धीरे हो गई. दोनों ओर पानी उछला.

नहीं! मैंने सोचा. सौभाग्य मेरे भीतर है.

चैंग अभी भी मेरे से आगे था. हम समापन रेखा के पास थे. मैंने आँखें बंद कर लीं और समापन रेखा पार करते समय पूरी शक्ति लगा कर चप्पू चलाने लगा.

“प्रतियोगिता बराबर रही!” सिउ-लिउ ने कहा.

चैंग और मैंने एक-दूसरे को देखा. एक प्रतियोगिता बाकी थी-पहलवानी.

“ज़रा प्रतीक्षा करो,” चैंग बुदबुदाया.

अध्याय - 6

अंतिम प्रतियोगिता देखने के लिए छोटी सी भीड़ इकट्ठी हो गई थी.

“चैंग या ज़्याओ! इन दोनों में से एक प्रतियोगिता का विजेता होगा!” सिउ-लिउ ने लोगों से कहा.

मैंने सिउ-लिउ के पिता की हैलमेट अपने सिर पर पहना. चैंग और मैं एक दूसरे के सामने झुके. “भाग्य तुम्हारा साथ दे, भाई,” जब मैंने फुसफुसा कर उससे कहा तो उसने मेरी ओर देखा भी नहीं.

मुकाबला शुरू हो गया. हमारे सींगों की टकराहट के अतिरिक्त कोई आवाज़ न सुनाई दे रही थी. चैंग ने अपने सींग से मेरे सींगों पर टक्कर मारी और गहरी साँस लेते हुए मैं लड़खड़ा गया. मेरी ऊर्जा खत्म हो गई थी. मैंने जो कुछ भी सीखा था उसे मैं याद करने की कोशिश करने लगा. लेकिन मैं याद नहीं कर पाया.

चैंग ने गुस्से से मेरी इर्दगिर्द चक्कर लगाया. उसने फिर से मेरे सींगों को टक्कर मारी और मैं गिर गया. मेरे मुँह में मिट्टी चली गई.

मैंने सिउ लिउ को गिनते सुना, "एक...."

मैंने अपनी ऊर्जा को संयोजित किया. राजकुमारी के शब्द मेरे कानों में गूँजने लगे, "सौभाग्य तुम्हारे भीतर है." मैंने उसकी वाणी फिर सुनी.

"दो....." सिउ लिउ ने कहा.

पूरी शक्ति लगा कर मैं उठ खड़ा हुआ और चैंग का सामना करने लगा, वह मुझ पर झपटा पर मैंने अपने को बचा लिया.

मैं देख सकता था कि वह गुस्से में थे. जो कुछ उसने सीखा था उसे वह क्रोध में भूल गया था. वह भूल गया था कि सांसों की सहायता से कैसे स्वयं को शांत किया जा सकता था.

मैं उसकी ओर तेज़ी से आया. वह इस पैंतरे के लिए तैयार था और मुझे रोकने के लिए उसने अपना हाथ बढ़ा दिया. लेकिन मैं भी इस पैंतरे के लिए तैयार था. अंतिम घड़ी पर मैंने अपना सिर नीचे किया और अपने सींगों में उसकी बाँह फंसा ली. मैंने तुरंत अपना सिर घुमाया और उसका संतुलन बिगड़ गया.

वह लड़खड़ाया और गिर गया. मैंने एक गहरी साँस ली, फिर दूसरी, फिर तीसरी. तीन तक गिनती हुई. वह उठ न पाया था.

"विजेता!" सिउ लिउ ने ऊंची आवाज़ में कहा. "इतिहास में पहली बार! ज़्याओ"

मेरी इस जीत का आनंद चैंग का चेहरा देखते ही तिरोहित हो गया. उसकी आँखों से आंसू बह रहे थे.

"अगले वर्ष की प्रतीक्षा करो," उसने धीमे से कहा जब एक–दूसरे के सामने हम झुके.

प्रतियोगिता की दावत के समाप्त होने तक चैंग फिर से प्रसन्नचित्त हो गया था. "मैंने अपने भाई को अपने सारे पैंतरे सिखाये थे," वह दूसरे लड़कों के सामने डींग मार रहा था. "इसीलिए वह आज की प्रतियोगिता जीत सका.

मैं मुस्कराया.

सिउ लिउ ने मुझे देखा और वह भी मुस्कराया. "कौन से पैंतरे?" उसने चैंग से पूछा.

चैंग ने त्योरी चढ़ा ली. “मैं नहीं बता सकता,” उसने कहा. “वह हम भाइयों का राज़ है.”

मैंने आस्तीन को उस जगह थपथपाया जहां जेड ड्रैगन हुआ करता था. मैंने सिर्फ अपनी त्वचा महसूस की. राजकुमारी ने सही कहा था. मैं पैंतरों के कारण नहीं जीता था. मैं ड्रैगन के सौभाग्य से नहीं जीता था. सौभाग्य तो मेरे भीतर था.

चीनी ड्रैगन पौराणिक जीव हैं. इनका आकार एक सांप का होता है जिसके शरीर पर शल्क लगे होते हैं.

चीन की संस्कृति में ड्रैगन महत्वपूर्ण हैं. वह कला, साहित्य, काव्य और गीतों में प्रकट होते हैं. प्राचीन निर्माता घरों और पैगोडा की छतों और अन्य इमारतों पर इनकी मूर्तियाँ बनाते थे. ड्रैगन सौभाग्य और राजसी गौरव के प्रतीक माने जाते हैं.

लोग सोचते हैं कि ड्रैगन जीवन प्रधान करते हैं. उनके अंगारों सामान श्वास को *शेंग चि* कहते हैं अर्थात दैवी ऊर्जा. चीनी ड्रैगन भयभीत नहीं करते. वह तो अच्छे और बुद्धिमान समझे जाते हैं. जो लोग उनके आसपास होते हैं उन्हें वह उपहार और सौभाग्य प्रदान करते हैं. लोग ड्रैगन की प्रतिमाओं का सम्मान करते हैं. प्राचीन चीन के शासक भी ड्रैगन का आदर करते थे. वह महलों में ड्रैगन की मूर्तियाँ रखते थे. ड्रैगन की मूर्तियाँ सम्राट और उसके परिवार की रक्षा करती थीं. ड्रैगन शासक को बुद्धिमता देते थे.

आज भी चीन के लोग ड्रैगन का सम्मान करते हैं. सारे चीन में हर त्यौहार पर और खासकर नववर्ष पर ड्रैगन नृत्य और प्रदर्शन किये जाते हैं.